BA (Prog.) with Hindi as MAJOR
सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4
हिंदी कथा साहित्य

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी कथा साहित्य	डीएसई (DSE)	4	3	1	—	—	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR
सेमेस्टर III – DSC 6 – क्रेडिट 4
जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)	डीएसई (DSE)	4	3	1	—	—	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन कराना
- लोक-जीवन और संस्कृति की जानकारी देना
- जनपदीय लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- जनपदीय साहित्य का परिचय प्राप्त होगा
- लोकनाट्य के विभिन्न रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- लोक-संस्कृति और लोक जीवन के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
- विविध रूपों का सामान्य परिचय – रामलीला, रासलीला, माच, नौटंकी

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- सत्यवान सावित्री – लखमीचन्द

इकाई – 3

- बिदेसिया – भिखारी ठाकुर **(12 घंटे)**

इकाई – 4

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन **(09 घंटे)**

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (सोलहवां भाग) – राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
- भारतीय लोकनाट्य – वशिष्ठनारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- लखमीचन्द का काव्य-वैभव – हरिचन्द्र बंधु
- लोक साहित्य : पाठ और परख – विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोएडा
- भिखारी ठाकुर रचनावली – (सं.) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- परंपराशील नाट्य – जगदीशचंद्र माथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर

BA (Prog.) with Hindi as NON-MAJOR
सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4
हिंदी कथा साहित्य

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी कथा साहित्य	डीएसई (DSE)	4	3	1	—	—	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	—	हिंदी विषय के साथ 12वीं पास	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय और विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- नमक का दरोगा – प्रेमचंद
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- भाव और मनोविकार – रामचन्द्र शुक्ल
- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- दीपदान – रामकुमार वर्मा

- सुभद्रा – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- कवि तथा नाटककार : रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	—	हिंदी विषय के साथ 10वीं पास	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय एवं विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
- परिन्दे – निर्मल वर्मा

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- जबान – बालकृष्ण भट्ट
- सच्ची वीरता – सरदार पूर्ण सिंह

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- मालव प्रेम – हरिकृष्ण प्रेमी

- गुंगिया – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	—	हिंदी विषय के साथ 08वीं पास	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- बड़े भाई साहब – प्रेमचंद
- हार की जीत – सुदर्शन

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- मेले का ऊंट – बालमुकुंद गुप्त
- नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारीप्रसाद द्विवेदी

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- बुधिया – रामवृक्ष बेनीपुरी
- भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

सेमेस्टर – 4

बी.ए.ऑनर्स (हिन्दी)

भारतीय काव्यशास्त्र

Core Course-(DSC) Credits : 3+1

कोर कोर्स **(DSC)-10**

Course title & Code	**Credits**	**Credit distribution of the course**			**Pre-requisite of the course (if any)**	**Content of Course and reference is in**
		Lecture	**Tutorial**	**Practical/ Practice**		
भारतीय काव्यशास्त्र	**4**	**3**	**1**	—	—	**Annexure**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)

1. विद्यार्थियों को भारतीय काव्य-चिंतन की परंपरा का बोध कराना
2. काव्य-चिंतन के विभिन्न संप्रदायों से अवगत कराना
3. काव्य के विभिन्न रूपों एवं छंदों की संरचना से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. भारतीय काव्यशास्त्र की चिंतन परंपरा से अवगत हो सकेंगे
2. काव्य समीक्षा की प्रद्धतियों का उपयोग कर सकेंगे
3. पारंपरिक और आधुनिक काव्य-विवेक के नैरंतर्य की समझ समृद्ध होगी

UNIT-1 (4 सप्ताह)

- भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा(आचार्य भरत मुनि से पंडितराज जगन्नाथ तक)
- प्रमुख संप्रदायों का संक्षिप्त परिचय (रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य)

UNIT-2(4 सप्ताह)

- काव्य लक्षण
- काव्य हेतु
- काव्य प्रयोजन

UNIT-3 (3 सप्ताह)

- रसः स्वरूप, अवयव और भेद
- रसनिष्पत्ति
- साधारणीकरण

UNIT-4 (3 सप्ताह)

- शब्दशक्तियाँ (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना)
- अलंकार: शब्दालंकार-अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति
  अर्थालंकार-उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति
- छंद: समवर्णिक-सवैया, घनाक्षरी
  सममात्रिक -चौपाई, हरिगीतिका
  अर्द्धसममात्रिक -बरवै, सोरठा
  विषमसममात्रिक -कुंडलिया, छप्पय

सहायक ग्रंथों की सूची

1. रस-मीमांसा, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. साहित्य-सहचर, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, नैवेद्य निकेतन, वाराणसी
3. रससिद्धांत, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, भाग-2-डॉ. नगेन्द्र, ओरियन्टल बुक डिपो

आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)

Core Course-(DSC) Credits : 3+1

कोर कोर्स **(DSC)-11**

Course title & Code	**Credits**	**Credit distribution of the course**			**Pre-requisite of the course (if any)**	**Content of Course and reference is in**
		Lecture	**Tutorial**	**Practical/ Practice**		
आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक) **(DSC)-11**	**4**	**3**	**1**	**—**	**—**	**Annexure**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)

- आधुनिक हिन्दी कविता के उद्भव और विकास का परिचय कराना।
- खड़ी बोली कविता के बनने और विकसित होने की रचना-प्रक्रिया से परिचित कराना।
- छायावादी कविता संबंधी आलोचनात्मक बहस और परिचर्चाओं का परिचय देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- तदयुगीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक हिन्दी कविता की समझ विकसित हो सकेगी।
- स्वाधीनता संग्राम के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी भाशा के भाव-बोध की निर्मिति से परिचित होंगे।
- कविताओं के वाचन, लेखन, व्याख्या-विष्लेशण आदि की समझ विकसित हो सकेगी।

UNIT-1

- भारतेन्दु हरिश्चंद्र - नए जमाने की मुकरी (सं. 1941)
- मैथिलीशरण गुप्त -'भारत-भारती'के भविष्यत खंड (92-98) से कवि शिक्षा (106-111), भारती-भारती, साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, संस्करण: 1984

UNIT-2

- रामनरेश त्रिपाठी- पथिक: प्रथम सर्ग से - 'प्रति क्षण नूतन वेष बनाकर .... परम सुंदर, अतिषय सुंदर है' तक पथिक - रामनरेश त्रिपाठी (हिन्दी मंदिर प्रकाशन प्रयाग)
- जयशंकर प्रसाद - पेशोला की प्रतिध्वनि, अब जागो जीवन के प्रभात प्रसाद ग्रंथावली: खंड -1: सम्पादक - रत्नशंकर प्रसाद (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

UNIT-3

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' -स्नेह निर्झर, भिक्षुक
  निराला रचनावली: खंड-1: संपादक - नंदकिशोर नवल (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
- सुमित्रानंदन पंत -द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र, भारत माता ग्रामवासिनी
  सुमित्रानंदन पंत रचना संचयनः संपादक - कुमार विमल (साहित्य अकादेमी, दिल्ली)

UNIT-4

- महादेवी वर्मा - पूछता क्यों शेष कितनी रात, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ
  महादेवी रचना संचयन: संपादक-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (साहित्य अकादेमी, दिल्ली)
- सुभद्रा कुमारी चौहान - वीरों का कैसा हो वसंत, ठुकरा दो या प्यार करो
  स्वतंत्रता पुकारती: संपादक: नंद किशोर नवल (साहित्य अकादेमी, दिल्ली)

सहायक ग्रन्थों की सूची

1. भारतेन्दु रचना संचयन: संपादक-गिरीश रस्तोगी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
2. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन - डॉ. नगेंद्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
4. जयशंकर प्रसाद - नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
5. काव्य और कला तथा अन्य निबंध - जयशंकर प्रसाद, भारती भण्डार, इलाहाबाद
6. छायावाद: पुनर्मूल्यांकन - सुमित्रानन्दन पंत, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
7. पल्लव - सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. छायावाद की प्रासंगिकता - रमेश चन्द्र शाह, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
10. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

हिन्दी उपन्यास

Core Course-(DSC) Credits : 3+1

कोर कोर्स **(DSC)-12**

Course title & Code	**Credits**	**Credit distribution of the course**			**Pre-requisite of the course (if any)**	**Content of Course and reference is in**
		Lecture	**Tutorial**	**Practical/ Practice**		
हिन्दी उपन्यास **(DSC)-12**	**4**	**3**	**1**	—	—	**Annexure**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)

- हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास की जानकारी देना।
- प्रमुख उपन्यासकारों और उनके उपन्यासों की चर्चा करना।
- कथा साहित्य के विश्लेषण के माध्यम से युगीन चेतना के विकास से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति से अवगत हो सकेंगे।
- हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त होगा।
- प्रमुख उपन्यासों के माध्यम से सामाजिक समस्याओं से अवगत हो सकेंगे।
- उपन्यास के वाचन, लेखन, व्याख्या-विश्लेषण आदि की समझ विकसित हो सकेगी।

UNIT-1 (3 सप्ताह)

- उपन्यास: स्वरूप और संरचना
- हिन्दी उपन्यास: उद्भव और विकास

UNIT-2 (3 सप्ताह)

- प्रमुख उपन्यासकारों का योगदान

1.श्रीनिवासदास, 2. प्रेमचंद, 3. जैनेन्द्र 4. अज्ञेय 5. फणीश्वरनाथ रेणु 6. श्रीलाल शुक्ल 7. धर्मवीर भारती 8. निर्मल वर्मा 9. मन्नू भण्डारी 10. मंजुल भगत 11. चित्रा मुद्गल

UNIT-3 (4 सप्ताह)

- प्रेमचंद- कर्मभूमि

UNIT-4 (4 सप्ताह)

- श्रीलाल शुक्ल - रागदरबारी

सहायक ग्रन्थों की सूची

1. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आधुनिक हिंदी उपन्यास - सं. भीष्म साहनी, भगवती प्रसाद निदारिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रेमचंद: एक विवेचन - इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली
4. कथा विवेचना और गद्य शिल्प - रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाषन, नई दिल्ली
5. आस्था और सौंदर्य - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली
6. हिन्दी उपन्यास - सं. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

हिन्दी लोकनाट्य

Credits : 3+1

DSE-1

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE-1 **हिन्दी लोकनाट्य**	4	3	1	—	—	**Annexure**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objective)

- विद्यार्थियों को भारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोकपरंपरा का अवलोकन कराना।
- लोक जीवन और लोक संस्कृति की जानकारी देना।
- हिन्दी लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- लोकनाट्य की समग्र भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त होगा।
- विविध प्रादेशिक लोक-नाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- आधुनिक हिन्दी रंगमंच के संदर्भ में विविध लोकनाट्य रूपों के प्रयोगधर्मी स्वरूप की समझ विकसित होगी।

इकाई 1 (3 सप्ताह)

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास।
- परंपरागत एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर मध्यकालीन तथा आधुनिक मिश्रित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

इकाई 2 (3 सप्ताह)

- प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय : रासलीला, रामलीला, सांग, नौटंकी, ख्याल, माच, पंडवानी, बिदेसिया।

इकाई 3 पाठपरक अध्ययन (4 सप्ताह)

- नलदमयन्ती – सांग (लखमीचन्द)

इकाई 4 (4 सप्ताह)

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास – सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
- भारतीय लोकनाट्य, वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य, विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली
- लखमीचंद ग्रंथावली, हरियाणा साहित्य अकादमी
- लोक साहित्य : पाठ और परख, विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोयडा
- भिखारी ठाकुर रचनावली, सं.प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- परंपराशीलनाट्य, जगदीशचंद्रमाथुर ,बिहार राष्ट्रभाषा परिषद ,पटना
- हमारे लोकधर्मीनाट्य ,श्याम परमार,लोकरंग, उयदय पुर
- पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएँ, कपिला वात्स्यायन

सेमेस्टर IV : DSE : क्रेडिट 4
पर्यावरण और हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE पर्यावरण और हिंदी साहित्य	4	3	1	—	—	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. विद्यार्थियों में पर्यावरण - बोध का प्रसार करना।
2. हिंदी साहित्य में पर्यावरण - चेतना को बताना।
3. पर्यावरण और जीवन के अन्योन्याश्रय संबंधों को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी पर्यावरण के विभिन्न आयामों से परिचित होंगे।
2. हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त पर्यावरण चेतना को जानेंगे।
3. पर्यावरण और जीव - जगत के अंतर्संबंधों को समझेंगे।

इकाई 1 : पर्यावरण-चिंतन : अवधारणा का विकास **(4 सप्ताह)**

- प्रकृति, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी : अवधारणा और महत्त्व
- विकास की अवधारणा
- विकास की गांधी-दृष्टि
- धारणीय (Sustainable) विकास की अवधारणा

इकाई 2 : हिंदी कविता में प्रकृति **(4 सप्ताह)**

- पृथ्वी-रोदन : हरिवंशराय बच्चन
- सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र

इकाई 3 : कथा साहित्य में प्रकृति और पर्यावरण **(4 सप्ताह)**

- परती परिकथा (निर्धारित अंश) : फणीश्वर नाथ रेणु
- बाबा बटेसर नाथ (निर्धारित अंश) : नागार्जुन
- कुइयाँ जान (अंश) : नासिरा शर्मा
- नया मन्वंतर (नाटक) – चिरंजीत

इकाई 4 : कथेतर में प्रकृति-चेतना **(3 सप्ताह)**

- सुलगती टहनी : निर्मल वर्मा
- हल्दी - दूब और दधि – अक्षत : विद्यानिवास मिश्र
- आज भी खरे है तालाब (अंश) : अनुपम मिश्र

सहायक ग्रंथ:

1. राजस्थान की रजत बूँदें : अनुपम मिश्र, गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
2. विकास और पर्यावरण : सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, सूचना प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली।
3. जल, थल, मल : सोपान जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. लोग क्यों करते हैं प्रतिरोध : सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
5. साफ माथे का समाज : अनुपम मिश्र, पेंग्विन इंडिया, नई दिल्ली।
6. विचार का कपड़ा : अनुपम मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. तालाब झारखंड : हेमंत, नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. अहिंसक अर्थव्यवस्था : नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
9. गांधी हैं विकल्प : नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।

सेमेस्टर Sem IV – क्रेडिट 4

जनसंचार माध्यम और तकनीक

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	**Content of Course and reference is in**
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE जनसंचार माध्यम और तकनीक	4	3	1	—	—	**Annexure**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

I. विद्यार्थियों को जनसंचार माध्यमों के विस्तृत क्षेत्र से परिचित कराना।
II. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीक का ज्ञान देना।
III. जनसंचार माध्यम और तकनीक से जुड़ी आचार संहिताओं का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

I. विद्यार्थी जनसंचार के विभिन्न माध्यमों की पहुँच और प्रसार क्षमता से परिचित होंगे।
II. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीकी पक्ष को जान पायेंगे।
III. फेक न्यूज आदि से बचने के लिए इंटरनेट से जुड़ी आचार संहिताओं का सही ज्ञान होगा।

इकाई 1 : जनसंचार : स्वरूप एवं अवधारणा (4 सप्ताह)

- जनसंचार: अर्थ, परिभाषा व स्वरूप
- जनसंचार के उद्देश्य
- जनसंचारका प्रसार एवं महत्त्व
- जनसंचार के प्रकार

इकाई 2 : जनसंचार के माध्यम (3 सप्ताह)

- प्रिंट ,रेडियो और टेलीविज़न
- डिजिटल माध्यम
- सोशल मीडिया--फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब, व्हाट्सप्प ,इंस्टाग्राम
- सोशल नेटवर्किंग साइट्स तथा अन्य माध्यम

इकाई 3 : जनसंचार : तकनीकी पक्ष (4 सप्ताह)

- जनसंचार तथा सूचना तकनीक
- इंटरनेट पत्रकारिता
- ब्लॉग
- न्यू मीडिया

इकाई 4 : जनसंचार और लोकतंत्र (4 सप्ताह)

- जनसंचार माध्यमों का प्रयोग और नागरिक की ज़िम्मेदारी
- आपात स्थितियों में जनसंचार की भूमिका
- प्रेस कानून : सामान्य परिचय
- साइबर कानून :सामान्य परिचय

सहायक ग्रन्थ

- भूमंडलीकरण और मीडिया - कुमुद शर्मा
- जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी
- जनसंचार – हरीश अरोड़ा ,युवा साहित्य चेतना मण्डल ,नई दिल्ली
- जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र – जवरीमल्ल पारख
- इंटरनेट पत्रकारिता –सुरेश कुमार
- सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद - सं. संजय द्विवेदी
- वर्चुअल रिएलिटि और इंटरनेट- जगदीश्वर चतुर्वेदी
- सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन - स्नेह लता
- नए माध्यम, नई हिन्दी - प्रो. हरिमोहन
- सोशल मीडिया –स्वर्ण सुमन
- मीडिया और बाज़ार – वर्तिका नंदा
- संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य बोध - कृष्ण कुमार रत्तू

सेमेस्टर Sem IV – GEC–क्रेडिट 4

ब्लॉग लेखन

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	**Content of Course and reference is in**
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-Hindi **ब्लॉग लेखन**	4	3	1	—	—	**Annexure**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)

1. ब्लॉग के विकास के साथ-साथ भाषा, समाज और संस्कृति की जानकारी देना

2. ब्लॉग लेखन के विभिन्न प्रभावों का अध्ययनकरना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. ब्लॉग लेखन और समाज के संबंध की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी

2. ब्लॉग लेखन के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक समझ विकसित होगी

Unit 1 : ब्लॉग लेखन: अवधारणा (4 सप्ताह)

- ब्लॉग का स्वरूप
- ब्लॉग लेखन का विकास
- ब्लॉग लेखन :भाषा, समाज और संस्कृति
- ब्लॉग लेखन का प्रभाव

Unit 2 : ब्लॉग लेखन : व्यक्ति और समाज (4 सप्ताह)

- ब्लॉग लेखन और व्यक्ति रचनात्मकता
- ब्लॉग लेखन और सामाजिक रचनात्मकता
- ब्लॉग लेखन और जनभागीदारी
- ब्लॉग लेखन और सोशल मीडिया

Unit 3 : ब्लॉग लेखन के प्रकार (3 सप्ताह)

- साहित्यिक -सांस्कृतिक
- राजनीतिक -सामाजिक
- शिक्षा-मीडिया
- खेलकूद एवं अन्य

Unit 4: ब्लॉग निर्माण (3 सप्ताह)

- भाषा एवं संरचना
- ब्लॉग निर्माण की प्रक्रिया
- किसी विशिष्ट विषय पर ब्लॉग लेखन

सहायक ग्रंथ

- न्यू मीडिया और बदलता भारत ,प्रांजल धर ,कृष्ण कान्त ,भारतीय ज्ञानपीठ ,दिल्ली
- इंटरनेट जर्नलिज़म ,विजय कुलश्रेष्ठ ,साहिल प्रकाशन ,जयपुर
- सोशल मीडिया और सामाजिक सरोकार ,कल्याण प्रसाद वर्मा ,साहिल प्रकाशन ,जयपुर
- ऑनलाइन मीडिया ,सुरेश कुमार ,पीयर्सन प्रकाशन ,भारत
- हिन्दी ब्लॉगिंग का इतिहास ,रवींद्र प्रभात ,हिन्दी साहित्य निकेतन ,बिजनौर